हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 20 अप्रैल 2025

11 उच्चाधिकारियों के निर्देशों के पालन के लिए एसपी ने ली बैठक

12 पक्षियों का जीवन बचाने को सकोरे में रखा दाना-पानी

GK SUPER SPECIALITY HOSPITAL

We discover... we recover...

ग्राम आजम नगर फैजाबाद चौकी के पास, हुडिना-मेई रोड, तह. नारनौल - 123001

ECHS

Free Ambulance Pick-up

HARYANA GOVT. PANEL

ALL TPA SERVICES

Dr. VIVEK YADAV
MD RESPIRATORY MEDICINE

उपलब्ध सुविधाएं

- 24X7 आपातकालीन
- वेंटिलेटर सुविधा
- ICU / NICE
- दूरबीन द्वारा ऑपरेशन
- 24X7 दवाईयां उपलब्ध
- 24X7 जच्चा–बच्चा की अमरजेंसी
- डिलिवरी एवं ऑपरेशन सुविधा
- 24X7 एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध
- स्त्री एवं प्रसूति एवं जटिल प्रसव सुविधा,
- नार्मल एवं सिजेरियन डिलिवरी
- प्रसव पूर्व सलाह व जांच एवं ऑपरेशन
- नसबंदी डी.एंड.सी., निःसंतान की जांच व उपचार

उपलब्ध अन्य सुविधाएं

- हर्निया, अपेंडिक्स, पाईलस की दूरबीन द्वारा ऑपरेशन
- सभी तरह की पथरी का ऑपरेशन पूरबीन द्वारा
- हड्डियों के जटिल से जटिल ऑपरेशन, लिगामेंट सर्जरी
- घुटने रिप्लेशमेंट, हड्डियों के एम्प्लांट्स की सुविधा
- स्त्री रोग, नवजात शिशु एवं बाल रोग
- हर तरह की मौसमी बिमारियों के ईलाज
- ICU एवं जनरल मेडिसिन विभाग
- सभी मरीजों के लिए आधुनिक ICU
- जहर खाना, सांप काटना, श्वांस रोग,
- निमोनिया, सीओपीडी, एलर्जी
- लिवर, पेट व आंत क विभिन्न रोग, गुर्दा के विभिन्न रोग
- लगवा दौरे, खून की कमी, शूगर, थायराईड,
- ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक,
- दिल के विभिन्न रोग, तेज बुखार, डैंगु, मलेरिया

Dr.Gaurav
Owner

Cancer Surgery एवं सभी बडे एवं छोटे ऑपरेशन की निशुल्क सुविधा
लगवा, घुटना, पीठ, कमर व जोडों के दर्द की फिजियोथैरेपी की आधुनिक सुविधाएं

आज ही निःशुल्क चिकित्सा संबंधित परामर्श लें।

24x7 हैल्पलाईन नं. 8278911800, 8222825662

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। शिविर में पशुपालकों को जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पशु अस्पताल राता कलां में लगाया पशु स्वास्थ्य शिविर

मंडी अटेली। राजकीय पशु हस्पताल राता कलां में राजकीय पशु अस्पताल राता कलां परिसर में एक दिवसीय पशु स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस शिविर में डा. नितिन सोनी ने पशु चिकित्सक ने बताया कि शिविर में कुल 160 पशुओं को अलग-अलग प्रकार की दवाएं वितरित की। शिविर में 110 मैडिसन, 31 डिवर्मिंग,19 गायनी से सम्बंधित दवाएं दी। इसके साथ ही साथ एक किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। किसान गोष्ठी में नए तूड़े को पुराने में मिक्स करके पशुओं को देने बारे व गर्मी में पशुओं के प्रबंध बारे पशुपालकों को जागरूक किया। इस मौके पर अत्तर सिंह वीएलडीए, मनोज कुमार पशु परिचर, आकाश, दीपक व कर्णसिंह आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। हवन में आहुति डालती प्राचार्य राधा, स्टाफ एवं विद्यार्थी।

महात्मा हंसराज की 161वीं जयंती मनाई

नारनौल। एमएलएस डीएवी पब्लिक स्कूल में डीएवी के संस्थापक महात्मा हंसराज की 161वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या, स्टाफ व छात्र–छात्राओं द्वारा वैदिक हवन किया गया। तत्पश्चात महात्मा हंसराज को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए छात्र–छात्राओं द्वारा उनके बारे में विचार प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इसमें छात्र–छात्राओं द्वारा आकर्षक व प्रेरणास्पद प्रस्तुतियां दी गई। प्राचार्या राधा ने बताया कि 19 अप्रैल 1864 को जन्में महात्मा हंसराज ने महर्षि दयानंद विचारों से प्रभावित होकर लाहौर में अविभाजित हिंदुस्तान के प्रथम डीएवी विद्यालय की स्थापना सन 1886 में की। मात्र 22 वर्ष की उम्र में ऐसे विद्यालय की स्थापना करते हुए महात्मा हंसराज इस विद्यालय के प्रथम प्रधानाध्यापक हुए।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महाविद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अक्षय तृतीया जैसे पारंपरिक पर्व के दिन किसी भी बच्चे का बाल विवाह न हो। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह की बुराइयों पर अपने विचार साझा किए और यह संकल्प लिया कि वे समाज में जागरूकता फैलाएंगे तथा अपने परिवारजनों एवं रिश्तेदारों को भी बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि बाल विवाह न केवल बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, बल्कि यह एक सामाजिक अपराध भी है।

ताराबाई मोदक की जयंती पर किया याद

नारनौल। समाज सेविका राजनीतिज्ञ प्री-स्कूल शिक्षा में काम करने के लिए पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित ताराबाई मोदक जी की जयंती धूमधाम से यदुवंशी डिग्री कॉलेज प्रांगण में बनाई गई। प्राचार्य बजरंगलाल व उप प्राचार्या सोनल यादव ने सभी विद्यार्थियों को जयंती अवसर के लिए रंगमंच कार्यक्रम हेतु प्रेरित किया जिस पर विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बालिका क्रीडांगन, डिप्लोमा कोर्स, नूतन बाल शिक्षा संघ और बाल शिक्षा नगर की शुरुआत मोदक जी ने की जिसे आज हम अपने शैक्षणिक जीवन में अपना रहे हैं।

कनीना नगरपालिका के दुकानदारों में अटके 2.75 करोड़

- 62 दुकानों पर लोकनिर्माण विभाग जता रहा अपना हक

दलीप सिंह ▸▸| कनीना

चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी

कनीना नगरपालिका के अंतर्गत 629 दुकानें हैं। इनसे होने वाली आमदनी विकास कार्यों पर खर्च की जाती है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि पिछले पांच-छह वर्षों से दुकानदारों का नियमित रूप से किराया न देने से 31 मार्च 2025 तक 27584490 रुपये की राशि अटक गई है। जिससे विकास कार्य प्रभावित हो गए हैं।

दुकानों में 62 दुकानों पर लोकनिर्माण विभाग द्वारा हक जताया जा रहा है जिस पर अभी तक फैसला नहीं हो सका है जबकि हाल ही में हुई पैमाईश में आठ दुकानें बिजली निगम कार्यालय की भूमि चिन्हित हुई हैं। नगरपालिका कनीना के पास 2878 कनाल भूमि है जिसमें से 335 कनाल भूमि कृषि योग्य है जिसे प्रतिवर्ष बोली पर छोड़ी जाती है। करीब 480 कनाल भूमि पर अवैध कब्जे किए हुए हैं।

विकास कार्य प्रभावित होने की संभावना, मानसून से पहले कराई जाएगी नालों व जोहड़ों की सफाईः डा. रिंपी

अवैध कब्जों को हटवाने के लिए कोर्ट में 45 केस विचाराधीन

नगरपालिका की चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने बताया कि अवैध कब्जों को हटवाने के लिए सब डिविजनल, जिला स्तरीय एवं हाई कोर्ट में 45 केस विचाराधीन हैं। नगरपालिका प्रशासन की ओर से सभी 14 वार्डों में एक समान रूप से विकास कार्य करवाने की रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि भवन निर्माण करते समय वे नपा कार्यालय से सम्पर्क कर प्रोपर्टी आईडी तथा नक्सा पास करवाएं। चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने बताया कि मॉनसून से पहले सीवरेज, नालों एवं जोहडों की सफाई करवाई जाएगी। जिससे निचले स्थानों पर जमा होने वाले बरसाती पानी से आमजन को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक जोहड़ का छटाईं कार्य शुरू किया जा चुका है। इन जोहड़ों की शीघ्र की पैमाइश कराई जाएगी ओर पानी सूखने के बाद उनकी रिटेनिंग वॉल भी बनाई जाएगी।

शहर की सुंदरता के लिए आमजन करे सहयोग

उन्होंने बताया कि शहर की सुंदरता को बनाए रखने के लिए आमजन का सहयोग अपेक्षित है। प्रत्येक नागरिक स्वच्छता को लेकर अपनी जिम्मेवारी समझे ओर कूडे को एकत्रित कर उसका सही जगह पर निष्पादन करें। सड़क मार्गों को साफ-सुथरा बनाए रखने तथा जाम से छुटकारा दिलाने के लिए रेहड़ी-फड़ी वालों को सदर थाने के पास अटेली रोड की ओर भेजा गया है। नपा प्रशासन के आदेशों का पालन नहीं करने वालों का चालान किया जाएगा। नपा की चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने कहा कि नपा प्राथमिकता के आधार पर बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में कार्यरत है। उनकी ओर से पार्कों की साफ-सफाई व सुंदरता बढाई गई है।

राइडरों पर तैनात पुलिस कर्मचारियों से प्रभावी ढंग से गश्त कराएं : वशिष्ठ

उच्चाधिकारियों के निर्देशों का पालन कराने के लिए एसपी ने ली बैठक

- शहर में नाके लगाकर प्रभावी चैकिंग करवाएं
- लंबित मामलों का जल्द निपटान करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

नारनौल। पुलिस अधिकारियों की मीटिंग लेती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने लघु सचिवालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में डीएसपी, थाना प्रबंधकों के साथ मीटिंग ली। मीटिंग में उन्होंने उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत कराया और उनकी पालना करने के निर्देश दिए।

मीटिंग के दौरान उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि राइडरों पर तैनात पुलिस कर्मचारियों से प्रभावी ढंग से गश्त कराएं और नाके लगाकर प्रभावी चैकिंग करवाएं। मीटिंग में डीएसपी हरदीप सिंह, थाना प्रबंधक व संबंधित ब्रांच इंचार्ज मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने यूआई मामलों के प्रतिशत में कमी लाने वाले थाना प्रभारियों को शाबाशी दी और जिन थानों के मामलों का यूआई प्रतिशत अधिक मिला, उनके थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटान करें। थाना प्रबंधकों द्वारा उनके थाना क्षेत्र में दबंग प्रवृति के लोगों पर की गई कार्रवाई की एसपी ने समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने थाना के पेंडिंग व प्रॉपर्टी केसों का शीघ्र निपटारा करें। पुराने वाहन जो थानों में खड़े हैं, उनको डिस्पोज करने एवं लंबित रिपोर्ट को अदालत में सबमिट कराने हेतु दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो, हर समय पोर्टल पर शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटान किया जाए।

उन्होंने शिकायतों के निपटारे का फीडबैक भी लिया तथा कहा कि अभियान चलाकर पीओ एवं बेल जंपरों को गिरफ्तार करें। नशीले पदार्थों का कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करें, उन्हें शिक्षा, खेलों के प्रति प्रेरित करें।

उन्होंने पूर्व में नशा बेचने वालों की भी जानकारी ली और उन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने वाले, ओवरस्पीड, बिना नंबर प्लेट, शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त व प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

कनीना। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापक।

एसडी स्कूल ककराला में कार्यक्रम में अध्यापकों ने लिया प्रशिक्षण

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में 19 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-(एनईपी) 2020 व कक्षा प्रबन्धन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले बदलाव, कक्षा-कक्ष में आने वाली चुनौतियों के समाधान, शिक्षकों की आकलंन व मूल्यांकन पद्धतियों को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाना था। इस कार्यशाला में एस डी विद्यालय से कुल 60 अध्यापकों ने प्रशिक्षण लिया। इस कार्यशाला में सीबीएसई की ओर से आये मुख्य विशेषज्ञ प्रधानाचार्य धीरेन्द्र सिंह, बिरला स्कूल (पिलानी) तथा प्रधानाचार्य त्रिलोक, फ्री लानसर स्कूल (गुरुग्राम) ने महत्वपूर्ण निभाई। उन्होंने इस कार्यशाला में अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका, विभिन्न कला-कौशलों का प्रशिक्षण में प्रयोग, बच्चों का व्यवहार, नैतिक शिक्षा, आधुनिक मूल्यांकन तकनीकों और छात्रों के अधिगम को मापने के नए तरीकों पर व्यांखन दिए। इसके साथ ही समूह चर्चा, केश स्ट्डी और व्यवहारिक गति विधियों का प्रयोग करके बच्चों को शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव सांझा किए।

बाबा साहेब की प्रतिमा को अपमानित करने वाले आरोपी को जल्द करें गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। गुरु रविदास सेवा समिति के पूर्व प्रधान संदीप महायच ने हिसार के नंगथला गांव में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अपमानित करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही जितने भी महापुरुषों के संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लग सके।

भ्रूण हत्या पर रोक अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सतनाली मंडी

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा खण्ड के गांव श्यामपुरा में राष्ट्रीय पोषण जन आंदोलन व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी सुपरवाईजर रेखा यादव ने विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आपकी बेटी-हमारी बेटी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय पोषण माह सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। महिलाएं अपने बच्चों को उचित पोषण प्रदान करें तथा उनके खाने में पौष्टिक आहार जिसमें हरी सब्जियां, दालें, अंकुरित भोजन को शामिल करें ताकि उनके शरीर का समुचित विकास हो सके। भोजन में पोषक तत्वों की कमी से शारीरिक व मानसिक विकास प्रभावित होता है साथ ही अनेक बीमारियां भी उत्पन्न होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं बच्चों के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी विभाग के कार्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्रों से प्राप्त की जा सकती है।

सतनाली। गांव श्यामपुरा में जागरुकता रैली निकालती महिलाएं।

कन्या के जन्म पर कुआं पूजन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मंडी अटेली

तमाम लोगों को बेटों के जन्म पर खुशियां मनाते देखा जाता है, लेकिन बेटी के जन्म पर खुशी मनाने का चलन कम ही है। ऐसे में अटेली के वार्ड नंबर तीन के लालचंद मेहरा के घर जन्मी उनकी पोती के जन्म पर महिलाओं ने बैंडबाजे के साथ कुआं पूजन किया गया।

कुआं पूजन समारोह में दूर-दूर से आए लोगों ने मेहरा परिवार को आशीर्वाद दिया। नवजात कन्या शिवांशी की माता प्रियंका व पिता संजय ने बताया कि यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। आज लड़का व लड़की में कोई फर्क नहीं है तथा वे अपनी बेटी की परवरिश लड़कों से बेहतर करेंगे। उन्होंने कहा कि बेटियां भगवान का दिया वरदान होती हैं, बेटियां लक्ष्मी होती हैं। बेटियों से ही आगे परिवार चलता है और पूरे एक समाज का निर्माण होता है। इस मौके पर रिटायर्ड प्राचार्य सतवीर सिंह, डॉ. जितेंद्र पाल, कमान्डेंट किशनलाल, विनोद मेहरा, विक्की मेहरा, प्रदीप, रामस्वार्थ मेहरा, प्राचार्य रामसिंह, अनुज जांगड़ा व सुरेंद्र लेक्चर आदि उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में हैं योग्य एवं प्रशिक्षित अध्यापक : डॉ. देवेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मंडी अटेली

सरकारी स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने हेतु खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार हरित ने एक विशेष पहल की है।

इस पहल के अंतर्गत उन्होंने राजकीय माध्यमिक विद्यालय शेखपुरा में स्कूल स्टाफ तथा एसएमसी को अपने स्तर से अधिक से अधिक बच्चों को सरकारी स्कूलों में नामांकित करवाने हेतु अभिप्रेरित किया। डॉ. देवेंद्र कुमार हरित ने बताया कि सरकारी स्कूल बच्चों के लिए शिक्षण के बेहतर विकल्प हैं। सरकारी स्कूलों में योग्य एवं प्रशिक्षित अध्यापक एवं बच्चों के शिक्षण हेतु सभी संसाधन उपलब्ध हैं। सरकारी स्कूलों में बच्चों को मुफ्त पुस्तकें और वर्दी प्रदान की जा रही है, साथ ही पोषण योजना के तहत पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। अध्यापक औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दे रहे हैं।

नारनौल। राजकीय माध्यमिक शेखपुरा में स्कूल स्टाफ।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में जीता गोल्ड कप

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मंडी अटेली

देश की सबसे बड़ी व प्रतिष्ठित वॉलीबाल प्रतियोगिता फर्स्ट चीफ मिनिस्टर गोल्ड कप टूर्नामेंट में गांव बजाड़ निवासी वॉलीबाल खिलाड़ी चिराग यादव की कप्तानी में प्रतियोगिता में गोल्ड कप जीता है। गोल्ड कप से टूर्नामेंट जीतने पर टीम को 20 लाख रुपसे के साथ प्रशस्ति पत्र भी दिया गया है। टूर्नामेंट में चिराग मैन ऑफ द मैच भी रहे। खिलाड़ी भारतीय नौसेना में जेसीओ के पद पर कार्यरत है और नौसेना टीम के कप्तान हैं। इससे पहले भी उनकी कप्तानी में अनेक चैंपियनशिप, टूर्नामेंट, नेशनल गेम्स, प्राईम वॉलीबाल लीग, सर्विसेज सहित अनेक प्रतियोगिताओं में मेडल हासिल कर चुके है। हाल ही में वालीबॉल के वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स में द्वितीय स्थान पर रह कर सिल्वर मेडल हासिल किया था। चिराग के पिता सुरेश कुमार हरियाणा रोडवेज नारनौल डिपो में कार्यरत हैं। फर्स्ट चीफ मिनिस्टर गोल्ड कप वॉलीबॉल टूर्नामेंट सिक्किम में हुआ, जिसमें सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग ने टीम के कप्तान को नकद राशि व प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत किया।

मंडी अटेली। गोल्ड कप जीतने के बाद विजयी मुद्रा में कप्तान चिराग यादव व टीम।

इन्होंने दी बधाई

बता दें कि चिराग वॉलीबाल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में एक दर्जन से अधिक देशों में खेलकर अपना कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। इस उपलब्धि पर नारनौल के विधायक व बजाड़ निवासी ओमप्रकाश यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव, सरपंच प्रतिनिधि जोगेंद्र यादव, खिलाड़ी के दादा रामकुमार, दादी संतरा देवी, ताऊ इंस्पेक्टर नरेश कुमार, चाचा दिनेश मास्टर, मां सुमन देवी, भाई एसिस्टेंट कमांडेंट अजय कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों ने खिलाड़ी को बधाई दे कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम वन स्टॉप सेंटर बना शोषित-पीड़ित महिलाओं का सहारा

महिलाओं के लिए 24 घंटे कानूनी, चिकित्सकीय व पुलिस सहायता उपलब्ध

- पिछले एक साल में 399 में से 396 मामले सुलझाए
- सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 181 पर करें कॉल
- महिलाएं डरें नहीं आगे आएं, हम हर समय उनके साथ हैं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

नारनौल। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक वंदना यादव।

एक साल में 94 महिलाओं ने ली शेल्टर सुविधा

इस एक साल की अवधि के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा 94 महिलाओं को शेल्टर सुविधा भी प्रदान की गई। इस केंद्र पर संकट की घड़ी में महिलाएं एक बार में पांच दिन के लिए रह सकती है। इस तरह उन्हें तत्काल सहारा मिल जाता है।उन्होंने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर विभिन्न प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न से महिलाओं को राहत दिलाने में सक्रिय है। बाल विवाह, दहेज देना/लेना, झगड़े-झंझट, लड़कियों की शिक्षा से वंचित करना, महिला तस्करी, लैगिंग उत्पीड़न, साइबर अपराध या महिलाओं से संबंधित अन्य अपराध से पीड़ित महिलाएं यहां संपर्क कर सकती हैं।

सरकार की ओर से चलाए जा रहे सखी वन स्टॉप सेंटर किसी भी प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है।

लघु सचिवालय के पुराने भवन में भूतल पर कमरा नंबर सात व आठ में बने इस केंद्र पर पिछले एक साल में 399 मामले आए, जिनमें से 396 मामले सुलझाए गए। यह जानकारी देते हुए वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक वंदना यादव ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत आने वाले सखी वन स्टॉप सेंटर में किसी भी प्रकार से शोषित व पीड़ित महिला पहुंचकर सहायता ले सकती है। यह सेंटर 24 घंटे महिलाओं की सहायता के लिए तत्पर रहता है। सखी वन स्टॉप सेंटर में पिछले एक साल में कुल 399 मामले आए, जिनमें से 396 मामलों का समाधान केन्द्र द्वारा किया जा चुका है और तीन मामले अभी लंबित है। उन्होंने बताया कि इस एक साल में सेंटर के पास घरेलू हिंसा के 153 केस, लापता के 84 केस, दहेज उत्पीड़न के पांच, साइबर क्राइम के छह, रेप केस में एक और अन्य 150 मामले सामने आए हैं।

महिलाओं को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। यहां पर निशुल्क कानूनी सहायता व परामर्श, चिकित्सकीय सुविधा और पुलिस सहायता उपलब्ध है। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक वंदना यादव ने बताया कि हमारी कोशिश है कि हर परेशान महिला को तुरंत और सही मदद मिले। उन्होंने कहा कि महिलाएं डरें नहीं आगे आएं, हम हर समय उनके साथ हैं। अगर कोई महिला किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न का शिकार है, तो वह सीधे वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर सकती है या महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकती है। इसके अलावा 01282–250091 पर सीधा संपर्क कर सकती हैं।

खबर संक्षेप

पटीकरा में युवक का शव मिलने से सनसनी

नारनौल। पटीकरा गांव के दादी सत्ती माता मंदिर के समीप एक शव मिलने से ग्रामीणों में सनसनी फैल गई तथा इसकी सूचना पुलिस को दी। सिटी पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं होने पर शव को कब्जे में लेकर उसे नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

वीरांगना पर हमले का एक आरोपित गिरफ्तार, चार अन्य की हुई शिनाख्त

खास बातें

- भयभीत शहीद का परिवार गांव आने को तैयार नहीं
- आरोपितों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की लगाई गुहार

पीड़ित परिवार को मिलेगी सुरक्षा

थाना इंचार्ज छत्रपाल चौधरी ने बताया कि दोस्तपुर में शहीद की वीरांगना पर हमले के एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान चार अन्य सहयोगी होने की पुष्टी और शिनाख्त हो गई। उनकी गिरफ्तारी के लिए सीआइए और पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया है। उन्होंने बताया कि पीड़ति परिवार को हर संभव इंसाफ व सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

दोस्तपुर गांव में शहीद खुशीराम की बुजुर्ग वीरांगना पर हमले के एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में चार अन्य आरोपी भी वारदात में शामिल रहने की पुष्टी हुई है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए सीआइए और पुलिस ने संयुक्त छापेमारी तेज कर दी है। दूसरी तरफ शहीद के परिजन वारदात के बाद डरे हुए हैं और गांव में आने को तैयार नहीं। बता दें कि दोस्तपुर गांव में 12 अप्रेल की दोपहर करीब 1.30 बजे एक नामजद और चार-पांच अन्य युवक दीवार फांदकर शहीद खुशीराम के घर में घुसे थे।

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार एक आरोपित ने घर में प्रवेश करते ही दरवाजे खोले हैं ताकि वारदात को अंजाम देकर भागने में सुविधा रहे। इसके बाद लाठी और डंडों के साथ सभी युवक वीरांगना के कमरे में घुस गए और मारपीट करनी आरंभ कर दी। बुजुर्ग महिला बचाव के लिए कमरे से बाहर निकलकर प्रांगण में पहुंच गई, किंतु इसी दौरान युवकों ने वीरांगना को घेर लिया तथा लाठियों से हमला कर लिया। शिकायतकर्ता ने आरोपितों पर सोने के आभूषण छीनने के भी आरोप लगाए हैं। वारदात करने के बाद सभी आरोपित एक पड़ोसी मकान में घुसते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारतीय सेना में ड्यूटी पर तैनात शहीद के पुत्र कृष्ण कुमार ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि नामजद आरोपित बीते कई दिनों से जानलेवा धमकी दे रहे थे। जिसकी शिकायत सात अप्रैल को जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में दर्ज कराई थी, किंतु सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोप वारदात को अंजाम देने में सफल हो गए। घटना से आहत ग्रामीणों ने 14 अप्रैल को महापंचायत का आयोजन करके पुलिस प्रशासन को एक सप्ताह में सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम एक आरोपित को गिफ्तार कर लिया है। हिरासत में लिए गए आरोपित से अन्य सहयोगियों का भी सुराग लगाया जा रहा है।

एक बाइक सवार की मौत और 54 लोग हो चुके घायल

गर्ल्स स्कूल वाले चौराहे पर सात माह में हो चुकीं 32 दुर्घटनाएं

वाहनों की अनियंत्रित स्पीड से दुकानदारों को रहता है जानलेवा हादसे का खतरा, विभाग से स्पीड ब्रेकर बनाने की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। गर्ल्स स्कूल के मोड़ पर बने ब्रेकर से सरपट दौड़ते वाहन।

बुजुर्ग और छोटे बच्चे नहीं कर पाते सड़क पार, महिलाएं भी परेशान

शहर वासियों ने बताया कि चौराहे के मार्गों पर मंदिर होने के कारण महिलाएं और बुजुगों का सर्वाधिक आवागमन रहता है। जिन्हें सड़क पार करके ही मंदिर जाना पड़ता है। लेकिन वाहनों की अधिकता और अनियंत्रित स्पीड के चलते रोड पार करना मुश्किल हो गया। स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को भी जोखिम बढ़ गया। ऐसे में अभिभावकों को हमेंशा हादसे का डर बना रहता है।

शहर में कोटपूतली रोड पर गर्ल्स स्कूल के मोड़ पर बीते सात महीनों में 32 एक्सीडेंट हो चुके। जिनमें 32 बाइक सवार घायल होने के साथ एक युवक की मौत हो चुकी है। चिंतित दुकानदारों ने खतरनांक एक्सीडेंट प्वाइंट से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। बावजूद सड़क पर स्पीड ब्रेकर या सांकेतिक बोर्ड नहीं लगाया है। जिससे आक्रोशित दुकानदारों ने जिला उपायुक्त से तुरंत ब्रेकर निर्माण कराने की गुहार लगाई है अन्यथा चिंतित व्यापारियों द्वारा धरने-प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

सुनील कुमार, अशोक कुमार, बाबूलाल, मिंटू, धर्मबीर सिंह, प्रीतम सिंह ने बताया कि रामभवन धर्मशाला के पास कोटपूतली रोड पर चौराहा है। एक रास्ते पर पीएम श्री गर्ल्स स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, मंदिर व आवासीय कॉलोनी है। दूसरे मार्ग पर राजस्व विभाग का कार्यालय, स्कूल, पावर हाउस तथा आवासीय कॉलोनी बसी हुई है। जहां सुबह से शाम तक विद्यार्थी, श्रद्धालु, किसान, महिलाएं व दुकानदारों को इधर-उधर जाने के लिए सड़क पार करनी होती है लेकिन मैन सड़क पर कहीं भी ब्रेकर नहीं और ना ही आबादी क्षेत्र वाला सांकेतिक बोर्ड लगाया गया है। मलाईदार सड़क होने के कारण चालक पूरी रफ्तार से बाइक, कार व बसों को दौड़ाते हैं। इधर, गर्ल्स स्कूल रास्ते पर ट्रांसफार्मर है, जिस कारण इधर से आने वाले बाइक सवारों को मैन सड़क के वाहन दूर से दिखाई नहीं देते। मोड़ पर टर्न करते ही दुर्घटना घटित हो जाती है।

बीते महीने मध्यप्रदेश निवासी रेहड़ी चालक बाइक से बाजार जा रहा था, इसी मोड़ पर ट्रन करते ही उसे एक पिकअप ने टक्कर मार दी। पीड़ति की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई थी। इसके अगले दिन विभागीय स्कूल की एक शिक्षिका स्कूल से घर जा रहा थी, एक वाहन की अनियंत्रित ओवरटेकिंग से स्कूटी गिर गई, जिसमें शिक्षिका को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। कुछ दिन बाद शाम को थनवास निवासी एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन टक्कर मारकर फरार हो गया। अगली सुबह करीब 10 बजे दो बाइकों में भिड़त हो गई, जिसमें घायल दोनों युवकों को सीएचसी में एडमिट कराना पड़ा था। अब एक सप्ताह में तीन हादसे हुए हैं, जिनमें दो युवक और एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई हैं। दुकानदारों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन स्थिति नाजुक होने के कारण चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया। ऐसे में दुकानदार व स्थानीय लोग 24 घंटे जानलेवा खतरा महसूस करने लगे हैं। समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत भी करवा दिया, बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है।

सांकेतिक बोर्ड नहीं लगा

दुकानदारों ने बताया कि भगवान परशुराम चौक से राव तुलाराम तक हाइवे पर कई मंदिर, स्कूल व सार्वजनिक संस्थान स्थापित हैं। जहां रोजाना हजारों लोगों का आवागमन होने के बावजूद हाइवे पर एक भी स्पीड ब्रेक व सांकेतिक बोर्ड नहीं है। उन्होंने जिला उपायुक्त से मंडी गेट, गर्ल्स स्कूल मोड़, अस्पताल गेट के सामने गतिरोधक का निर्माण कराने की गुहार लगाई है।

स्पीड ब्रेकर लगाएंगे : नरेंद्र

पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीई नरेंद्र कुमार ने बताया कि गर्ल्स स्कूल के मोड़ पर दुर्घटना प्वाइंट होने की शिकायत नहीं मिली। सोमवार को मौका निरीक्षण करने के बाद स्पीड ब्रेकर और सांकेतिक बोर्ड लगाया जाएगा ताकि संभावित हादसे से बचाव रहे। उन्होंने बताया कि बीते दिनों अस्थाई बस स्टैंड पर स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया गया था, इसके अलावा अन्य जगह भी दुर्घटना का खतरा प्रतीत हुआ तो बचाव के प्रबंध किए जाएंगे।

हैप्पी स्कूल में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 80 विद्यार्थियों का किया सम्मान

- 44 विद्यार्थियों ने सिल्वर और 11 ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

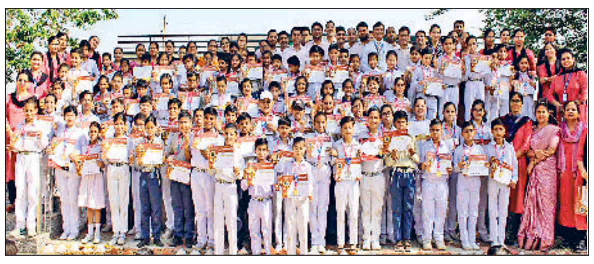

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सिल्वर जोन नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड 2024-25 में पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुए सभी पदक विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। विंग हेड संजीव कुमार, ईश्वर सिंह, हुकमचंद गर्ग, रेखा कौशिक और रेखा राघव के अनुसार गणित विषय में 80 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल, 44 विद्यार्थियों ने सिल्वर मेडल और 11 विद्यार्थियों ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने बताया कि ओलंपियाड की परीक्षा विद्यार्थी की तार्किक और भाषिक क्षमता को जांचने के लिए होती है। साथ ही इन प्रतियोगी परीक्षाओं का एक अलग ही महत्व होता है, जो विद्यार्थी के जीवन के लक्ष्य को पाने में सहायता प्रदान करता है। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने बताया कि ऐसे होनहार छात्र किसी भी क्षेत्र में प्रतिभा को कम नहीं होने देंगे। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दी, साथ ही इस सफलता को अध्यापक, अभिभावक और छात्र रूपी त्रिवेणी का संगम बताया।

मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने जेईई-मेन परीक्षा क्वालीफाई की

- योगिता ने 97 .5 परसेंटाइल, विशाल ने 96 .25 परसेंटाइल और तन्वी ने 80 .28 परसेंटाइल पाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जेईई मेंस सत्र-दो की परीक्षा दो से नौ अप्रैल तक आयोजित की गई थी। मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दी थी। इस परीक्षा का परिणाम 19 अप्रैल को घोषित किया गया।

परीक्षा में मॉडर्न स्कूल की छात्रा योगिता पुत्री अनिल कुमार ने 97.5 परसेंटाइल, विशाल पुत्र मुकेश कुमार ने 96.25 परसेंटाइल तथा तन्वी पुत्री सुधीर ने 80.28 परसेंटाइल प्राप्त की। विद्यालय के तीन विद्यार्थियों द्वारा जेईई मेंस सत्र की परीक्षा क्वालीफाई करने पर विद्यालय में खुशी का माहौल हैं। संस्था निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समितिसदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार ने परीक्षा क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दी। निदेशक राजकुमार यादव ने इस उपलब्धि का सारा श्रेय इनकी तैयारी करवाने वाले अध्यापकों को दिया। राजकुमार यादव ने बताया कि अध्यापकों के अथक प्रयास के बल पर विद्यार्थियों को यह उपलब्धि प्राप्त हुई है।

विज्ञान व तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए

- क बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को संबोधित करती अध्यापिका।

सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न ज्वलंत विषयों जैसे वन संरक्षण, जल संरक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा साइबर क्राइम पर प्रभावशाली प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए। इन विषयों के माध्यम से छात्रों ने न केवल पर्यावरण और तकनीकी जागरूकता को उजागर किया, बल्कि समाज में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की प्रेरणा भी दी। वन संरक्षण और जल संरक्षण से जुड़ी प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने नाट्य रूपांतरण, पोस्टर प्रदर्शन, चार्ट निर्माण तथा स्लाइड-शो के माध्यम से अपनी बात रखी। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रेजेंटेशन में बच्चों ने रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग की बुनियादी समझ को सरल रूप में समझाया। इन सभी प्रस्तुतियों का संचालन विद्यालय के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता विनय कुमार और रसायन विज्ञान प्रवक्ता कुलदीप यादव के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में रवि यादव, दीपेश गुप्ता, गौतम कुमार, अजीत जांगड़ा प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच के साथ समाज के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। प्रधानाचार्य रामवीर यादव और चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि आज की पीढ़ी यदि विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण को समझ ले, तो कल का भारत एक स्वच्छ, सुरक्षित और तकनीकी रूप से सशक्त राष्ट्र बनेगा।

अशोक शर्मा ने संभाला डीईओ का कार्यभार

नारनौल। अशोक शर्मा ने शनिवार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उप जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर ज्वाइन कर लिया है।

इससे पहले अशोक शर्मा नारनौल खंड में खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। अशोक शर्मा की पदोन्नति पर शनिवार कार्यालय में फूल माला व गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर रेवाड़ी के जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सांमरिया ने अशोक शर्मा को उप जिला शिक्षा अधिकारी बनने पर बधाई देते हुए कहा कि यह पदोन्नति आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। वह आपकी नई भूमिका में सफलता की कामना करता है। इसके अलावा बीआरसी पवन भारद्वाज व हसला के पूर्व प्रधान वीर सिंह ने भी उप जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा का स्वागत किया। इस मौके पर प्राचार्य ब्रह्म प्रकाश दहिया, सुदेश, अमित, अगेंद्र, रण्धौल, आदि मौजूद रहे।

टैगोर स्कूल के 79 विद्यार्थियों ने लहराया परचम

- आईआईटी जेईई मेन की परीक्षा में अपना और स्कूल का नाम किया प्रदेशभर में रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी स्टाफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

टैगोर स्कूल के 79 विद्यार्थियों ने आईआईटी जेईई मेन में एक बार फिर से परचम लहराया हैं। मीडिया प्रभारी मनीष यादव ने बताया कि आईआईटी जेईई मेन की परीक्षा हर साल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित कराई जाती है। जिसका परीक्षा प्रमाण गत दिवस घोषित किया गया, जिसमें टैगोर स्कूल के 79 विद्यार्थियों ने आईआईटी जेईई मेन में सफलता पाई है।

विद्यार्थी ललित ने 99.16 परसेंटाइल, नेहा ने 99.14, मनीष ने 99.06, हैप्पी ने 99, आयुष ने 99, हेमंत ने 99, वंश ने 97. 8, रजत ने 97.4, अभिषेक ने 97, नितेश ने 95.2, रोहित ने 95, दक्ष ने 94, खुशी ने 93.1, रिंकु ने 90 परसेंटाइल, जिसमे 90 परसेंटाइल से ऊपर 35 विद्यार्थियों ने सफलता पाई 80 परसेंटाइल से ऊपर 44 विद्यार्थियों ने सफलता पाई।

सीईओ डॉ. निशा यादव ने बताया कि अगर मन में दृढ़, इच्छा, संकल्प व लग्न की भावना हो तो कोई भी छात्र या छात्रा अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता हैं। चयनित छात्रों ने भी जेईई मेन जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को बिना किसी अतिरिक्त कोचिंग के शानदार अंकों के साथ पास करके अपने विद्यालय के साथ-साथ अध्यापक, माता-पिता और गांव का नाम रोशन किया हैं। चेयरमैन डॉ बीएल यादव ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थी शानदार प्रदर्शन करके हर प्रतियोगी परीक्षा में नए-नए कीर्तिमान स्थापित करते आ रहे हैं। इस श्रेष्ठ परिणाम का सारा श्रेय स्कूल के स्टाफ व विद्यार्थियों को दिया जाता, जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके यह मुकाम पाया हैं।

सीएल स्कूल के तीन छात्र जेईई मेंस में क्वालीफाई

उत्तीर्ण छात्र

नारनौल। हाल ही में एनटीए द्वारा जेईई मेंस 2025 का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सीएल पब्लिक स्कूल के होनहार छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करके अपने क्षेत्र, परिवार व संस्था का नाम रोशन किया।

इन छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत से यह सिद्ध करके दिखाया कि अगर दृढ इच्छा शक्ति हो तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव नहीं है। इन छात्रों में बिकेश पुत्र भूपेन्द्र सिंह ने 99.86 प्रतिशतक अंक प्राप्त किए, जिसमें इनके दादाजी पतराम का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा तुषार पुत्र सुरेश कुमार ने 98.83 प्रतिशत, निखिल पुत्र योगेन्द्र कुमार ने 97.29 प्रतिशत, दिपांशु पुत्र रविशंकर ने 92.48 प्रतिशत और नमन जांगिड पुत्र कृष्ण कुमार ने 88.68 प्रतिशत अंक प्राप्त कर इस परीक्षा को क्वालीफाई किया। बच्चों की इस उपलब्धि पर संस्था के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता ने कहा कि यह सफलता बच्चों की मेहनत, इनके शिक्षकों और परिवार के सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

हड़ताल के दौरान का मानदेय भुगतान करने व केवाईसी पर रोक लगाने की मांग

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

- मुख्य प्रधान सचिव ने कार्रवाई रिपोर्ट भिजवाने के आदेश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। ज्ञापन सौंपने जाते आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा सम्बंधित स्कीम वर्कर्स फैडरेशन ऑफ इंडिया एवं एआईयूटीयूसी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य प्रधान कृष्णा देवी के नेतृत्व में लम्बित न्यायसंगत मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजेश खुल्लर को ज्ञापन सौंपा।

मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने मांग पत्र पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सुधीर राजपाल अतिरिक्त मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा को मांग पत्र भिजवाते हुए यूनियन प्रतिनिधि मंडल से मांग पत्र पर बिन्दुवार वार्ता करने व इसी 24 अप्रैल तक कारवाई रिपोर्ट भिजवाने के आदेश दिए। राज्य महासचिव पुष्पा दलाल, राज्य उपाध्यक्ष तारा देवी बलजीत, कृष्णा कुमारी, रिटायर्ड हेडमास्टर मास्टर सुबेसिंह, कृष्णा देवी, सुनीता ने आंगनबाड़ी कर्मियों की मांगों फोटो कैप्चर व केवाईसी पर रोक लगाने व 975 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं का हड़ताल के दौरान का मानदेय भुगतान करने के मुद्दे शामिल रहे। राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने बताया कि हरियाणा सिविल सचिवालय चण्डीगढ़ में अतिरिक्त मुख्य सचिव (महिला एवं बाल विकास विभाग) सुधीर राजपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी के मांग पत्र पर यूनियन प्रतिनिधि मंडल से बिन्दुवार वार्ता की। हड़ताल अवधि के दौरान बर्खास्त 975 आंगनबाड़ी कर्मियों का वेतन जारी करने व लाभार्थियों के फोटो कैप्चर व केवाईसी कार्य में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों को गहराई से समझने व निदान हेतु सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा उच्च स्तरीय वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया। राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने बताया कि यूनियन प्रतिनिधि मंडल ने गत 19 फरवरी 2025 को भी माननीय मुख्यमंत्री को प्रदेश की 975 आंगनबाड़ी कर्मियों का टर्मिनेट अवधि का वेतन दिए जाने सहित मांगों को स्वीकार करने की मांग की गई थी। हड़ताल के दौरान जिन मांगों पर सहमति बनी थी, उन्हें भी अभी तक लागू नहीं किया। वरिष्ठ आंगनबाड़ी कर्मियों को फोटो कैप्चर व केवाईसी कार्य में आ रही तकनीकी परेशानी व ओटीपी की भारी समस्या के चलते यह काम आंगनबाड़ी कर्मियों के लिए भारी परेशानी का सबब है। वरिष्ठ आंगनबाड़ी कर्मियों के लिए यह कार्य जी का जंजाल बना हुआ है। प्रदेश की आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा आईसीडीएस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं, दूध पिलाने वाली माताओं, छह वर्ष के नौनिहाल की देखभाल व शिक्षा, संतुलित आहार व पौषाहार नीति को लागू कर कुपोषण से बचाने व सभ्यता को आगे बढ़ाया देने का काम कर रही हैं।

खबर संक्षेप

कनीना में आज 3 घंटे बाधित रहेगी बिजल

कनीना। 132 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन कनीना में बिजली लाईनों की मरम्मत कार्य के चलते रविवार 20 अप्रैल को सुबह आठ बजे से 11 बजे तक सभी फीडरों की बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। इस बारे में एसएसई बीर सिंह जीवेदी ने बताया कि गर्मी के मौसम में बिजली आपूर्ति को लेकर लाइनों को दुरूस्त किया जा रहा है।

एसयूसीआई रोहतक में जनसभा करेगी

नारनौल। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के 78वें स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय जनसभा 27 अप्रैल को रोहतक में आयोजित होगी। पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड ओमप्रकाश ने बताया कि जनसभा की तैयारी के क्रम में पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने आज यहां महर्षि वाल्मीकि सभा प्रांगण में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें मुख्य रूप से मास्टर सुबेसिंह, डा. वृतपाल सिंह, छाजूराम रावत, हंसराज, सतीश, अभय सिंह, शेरसिंह, रतिराम व सतीश कुमार आदि ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम सफल करने बारे अपने अपने विचार रखे। राज्य सचिव कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने बताया कि 27 अप्रैल की जनसभा में प्रदेश स्तर पर जोरदार आंदोलन का आह्वान किया जाएगा।

पुलिस ने चलाया स्पेशल चैकिंग अभियान

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार पुलिस ने देर शाम को जिलेभर में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाना और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। पुलिस टीमों ने विभिन्न नाकों पर बैरिकेड लगाकर वाहनों की गहनता से जांच की। इस दौरान विशेष दोपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात, जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और बीमा आदि की जांच की गई। साथ ही वाहनों में संदिग्ध वस्तुओं की तलाश भी की गई। इसके अतिरिक्त अन्य वाहनों की भी चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान 88 वाहनों के चालान किए गए और 11 वाहनों को इंपाउंड किया गया। पुलिस द्वारा किसी भी आपात स्थिति से निपटने, अपराध को अंजाम देकर भागने वाले पर कार्रवाई हो रही है।

आग से हुए नुकसान का मुआवजा दे सरकार

नारनौल। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी तथा अध्यक्ष अनूपसिंह मातनहेल ने प्रेस के नाम जारी एक बयान में बताया कि गत रात आई तेज आंधी के कारण प्रदेश के पांच जिलों के 25 गांवों में लगभग 850-900 एकड़ गेंहू की खड़ी फसलें तथा फाणे आग लगने से जलकर राख हो गए। किसानों ने जी–तोड़ मेहनत कर जिस गेंहू की फसल को खुशी–खुशी घर में लाने का सपना संजोया था, किसानों का वह सपना एक पल में स्वाहा हो गया। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने किसानों की इस बर्बादी पर गहरा दुःख प्रकट किया और खड़ी फसल जलने का 50000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की सरकार से मांग की।

फरवरी 2024 में महर्षि च्यवन के नाम मेडिकल कॉलेज की अधिसूचना जारी, अब 14 माह बाद बदलाव के लिए राजनीति का रंग चढ़ने लगा

महर्षि च्यवन चिकित्सा महाविद्यालय कोरियावास का नामकरण में ना हो बदलाव, एम्स मनेठी का नाम राव तुलाराम जी के नाम पर हो : राकेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भाजपा सरकार ने जिला को मेडिकल कॉलेज कोरियावास दिया। निर्माण कार्य चला। इसी बीच सरकार ने इस मेडिकल कॉलेज का नाम वैदिक कालीन प्रसिद्ध महर्षि च्यवन रखने की सहमति बनी। आखिकार 12 फरवरी 2024 में हरियाणा सरकार के शासकीय राजपत्र में महामहिम राज्यपाल के नाम से अधिसूचना भी जारी कर दी गई। उस वक्त विरोध नहीं हुआ। इस बात को अब 14 माह का समय बीत चुका है। अब एक पक्ष मेडिकल कॉलेज का नाम महर्षि च्यवन की बजाय शहीद राव तुलाराम के नाम से रखने की मांग कर रहा है। ऐसे में

नारनौल। राकेश महता एडवोकेट व मेडिकल कॉलेज कोरियावास

राजनीति रंग चढ़ने लगा है।

जब हरिभूमि ने इस संबंध में श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश महता से बातचीत की। उनका कहना है कि राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय खोलने का निर्णय 10 अप्रैल 2018 को लिया गया था। इस निर्णय की अनुपालना में इस चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण बड़ी तीव्र गति से सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात स्थानीय संस्थाओं और विशेषकर श्रीमनु मुक्त मानव ट्रस्ट व श्री गौड ब्राहमण सभा नारनौल द्वारा की गई पहल व मांग पर तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खटटर के नेतृत्त्व में सरकार द्वारा इस राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का नाम महर्षि च्यवन चिकित्सा महाविद्यालय कोरियावास रखने का निर्णय लेकर 12 फरवरी 2024 को शासकीय राजपत्र में राज्यपाल के नाम से अधिसूचना भी जारी हुई। जिससे इस सम्पूर्ण क्षेत्र में व्यापक रूप से हर्ष की लहर दौड़ गई कि अंततः नारनौल क्षेत्र के अन्तर्गत स्थित पवित्र ढौसी धाम वैदिक कालीन तीर्थ व महर्षि च्यवन की तपस्थली तथा भारत के इतिहास में मुगल शासन की नींव हिलाने वाले प्रसिद्ध सतनामी विद्रोह के कारण विख्यात नारनौल नगर की सुध ली गई।

शहीद राव तुलाराम के नाम से हो एम्स मनेठी

सभा के प्रधान राकेश महता ने बताया कि देश की स्वतंत्रता के बाद राव तुलाराम के बलिदान की स्मृति में भारत सरकार ने दिल्ली में एक प्रसिद्ध सडक का नामकरण राव तुलाराम के नाम से किया। अब राव तुलाराम की सहादत को देखते हुए यह आवश्यक है कि उनकी राजगद्दी की पीठ गढी बोलनी/रामपुरा जो अब जिला रेवाड़ी में है और नारनौल रेवाड़ी रोड पर दोनों जिला के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 11 पर स्थित ग्राम मनेठी में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर का जो एम्स चिकित्सा संस्थान बनाया जा रहा है, उसका नाम राव तुलाराम के नाम पर रखा जाए। इस कार्य के लिए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव व उनके पिता राव इन्द्रजीत सिह जो भारत सरकार के मंत्री हैं, ये दोनों पिता पुत्री राव तुलाराम के वंशज है, से अनुरोध है कि वो इस मामले में पहल करके भारत सरकार के स्तर पर कार्रवाई करवाते हुए एम्स मनेठी का नाम राव तुलाराम के नाम पर रखवायें ।

राजनीतिक व्यक्तित्व से तुलना ठीक नहीं

प्रधान ने बताया कि देश के प्रसिद्ध वैदिक कालीन महर्षि की तुलना आधुनिक राजनीतिक व्यक्तित्व से की जानी किसी भी रूप में न्यायोचित नहीं है। केवल सरकार का मुख्यमंत्री बदलने से महर्षियों का नाम संस्थानों से समाप्त किया जाना, किसी भी प्रकार से न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। चिकित्सा जगत में महर्षि च्यवन, महर्षि चरक, महर्षि सुश्रुत आदि का नाम अन्तराष्ट्रीय स्तर पर पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और चिकित्सा जगत के मूलभूत सिद्धांत इनके द्वारा प्रतिपादित है। महर्षि च्यवन ने काफी तपस्या के बाद खोज करके एक जीवन दायनी औषधि के रूप में प्रसिद्ध रसायन च्यवनप्राश का आविष्कार किया और ग्राम कोरियावास के साथ ही स्थित ढोसी धाम की पवित्र पहाड़ी को अपनी तपस्या से पूरे विश्व में प्रसिद्ध करवाया। ऐसे में आग्रह है कि अनावश्यक रूप से इस प्रकार के विवाद उत्पन्न ना करें और महर्षियों से राजनैतिक व्यक्तित्वों की तुलना ना करके राजनैतिक व्यक्तियों के सामाजिक कार्य व ख्याति को देखते हुए दूसरे संस्थानों के नाम उनके नाम पर रख लिए जाएं ताकि आपस में कोई विरोध ना हो।

एनसीसीएफ द्वारा नौ अप्रैल तक खरीदी गई थी एक लाख 14 हजार क्विंटल सरसों

खरीदी गई सरसों के 4 हजार बैग क्वालिटी में फेल, नहीं रुक रही अनियमितताएं

- क्वालिटी वाली सरसों पैक कर भेजने के निर्देश दिए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

फसल खरीद कार्यों में अनियमितताएं बरतने को लेकर सुर्खियों में आई अनाज मंडी में नित नए खुलासे हो रहे हैं। शनिवार को एनसीसीएफ द्वारा खरीदी गई सरसों में से चार हजार बैग सरसों क्वालिटी में फेल हो गई। जिन्हें रेवाड़ी के गोदाम से वापिस कनीना मंडी भेजा गया है। उनके स्थान पर क्वालिटी वाली सरसों पैक कर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इस बारे में एनसीसीएफ के मुख्य खरीद अधिकारी रिषीपाल सिंह व क्वालिटी नियंत्रक अधिकारी रजनीश कौरव ने बताया कि उनकी ओर से बीती नौ अप्रैल तक 1.14 लाख क्विंटल सरसों की खरीद कनीना की नई अनाज मंडी चेलावास से की थी। खरीदी गई इस सरसों को रेवाड़ी के गोदाम में लगाया जा रहा था जिसमें से दी चेलावास को-ओपरेटिव लेबर एंड कंस्ट्रक्शन सोसायटी के 1500 बैग व दी लांबा को-ओपरेटिव सोसायटी के 2500 बैग सरसों क्वालिटी में हलकी व बरसात में भीगी हुई मिली। जिन्हें रिजेक्ट कर गोदाम से दोनों सोसायटीज को वापिस भेज दिया गया। शनिवार को उनकी टीम ने कनीना मंडी पहुंचकर खराब सरसों के वाहनों को अनलोड करवाया और संबंधित सोसायटी से गुणवत्तापरक सरसों लोड करवाने के निर्देश दिए।

कनीना। क्वालिटी में फेल मिली सरसों को कनीना मंडी में अनलोड करवाते एनसीसीएफ के अधिकारी।

अवैध वसूली के आरोप लगे

बता दें कि इससे पूर्व कनीना मंडी के एक आढती धर्मबीर सिंह द्वारा मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह व मंडी सुपरवाईजर सतीश कुमार पर चार रुपये प्रति बैग के हिसाब से रिश्वत लेने के आरोप जड़ते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व मुख्य प्रशासक मकेश कुमार आहुजा सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की हुई है। शिकायत में उन्होंने मार्केट कमेटी कर्मचारियों द्वारा उनकी फर्म बाबा उमन सिंह व डिम्पल टेडिंग कम्पनी के नाम से खरीफ व रबि फसल खरीद कार्य से वंचित कर दिया। जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीते समय हुई बाजरे की खरीद के समय इन कर्मचारियों ने नाजायज रूप से दबाव बनाकर 60 हजार रुपये रिश्वत तथा गेट पास जारी करने के अलग से पैसे की मांग की थी। उच्च अधिकारियों को भेजी गई शिकायत में उन्होंने सचिव विजय सिंह व मंडी सुपरवाइजर सतीश कुमार के विरूद्ध कठौर कार्रवाई करने की मांग की है।

जांच के बाद वापस भेजी जाएगी

इस संबंध में स्टेट वेयर हाउस की डीएम रेखा मलिक ने कहा कि उनकी ओर से उनकी ओर से मार्केट कमेटी सचिव कनीना को बार-बार पत्र लिखकर आढतियों से झार लगाकर साफ-सुथरी सरसों बैगों में डलवाने के लिए कहा जा रहा है लेकिन मार्केट कमेटी सचिव विजय की ओर से उस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आढ़तियों द्वारा बिना झार लगाए सरसों पैक करने पर सचिव द्वारा न तो उनके नोटिस जारी किए जा रहे हैं ओर न ही उनके लाईसेंस सस्पेंड किए जा रहे हैं। बरसात के समय भी मंडी में सरसों भीग जाती है। ऐसी ही सरसों बैग में पैक मिली तो जांच करके हजारों बैग सरसों ओर वापिस भेजी जाएगी।

बिना झराई के सीधे ही बैग में भरी जा रही सरसों

स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि सरसों खरीद करने के बाद व्यापारियों द्वारा बिना झराई के सीधे ही बैग में भरी जा रही है। जबकि उनकी ओर से सरसों को साफ करवाकर भरवाने के लिए मार्केट कमेटी सचिव विजय सिंह को बार-बार पत्र लिखे जा रहे हैं। जिन पर सचिव की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने बताया कि अब तक कुल तीन लाख 80 हजार बैग सरसों की खरीद की जा चुकी है जिसमें से दो लाख 22 हजार बैग का उठान किया जा चुका है। गेहूं की खरीद एजेंसी फूड सप्लाई के निरीक्षक ध्यान सिंह ने बताया कि उनकी ओर से 43641 क्विंटल की खरीद की जा चुकी है जबकि 25 हजार क्विंटल का उठान किया गया है।

व्यापार मंडल आया कर्मचारियों के पक्ष में

इधर, मार्केट कमेटी सचिव पर आढ़ती द्वारा लगाए गए रिश्वत मांगने के आरोप में व्यापार मंडल बचाव में आया है। उन्होंने मार्केट कमेटी कर्मचारियों पर विधिवत रूप से कार्य करने की बात कही है। व्यापार मंडल के सदस्यों ने कहा कि व्यापारी द्वारा लगाए गए आरोप व्यक्तिगत रंजिसवश भी हो सकते हैं।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में आयोजित की गई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों में उत्साह और ज्ञान के प्रति रूचि को नई ऊंचाई दी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में करंट अफेयर्स, इतिहास, भूगोल, विज्ञान और खेलकूद जैसे विविध विषयों की जानकारी को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में कक्षा नौंवी व 10वीं के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल छह टीम रही। प्रतियोगिता में हरियाणा, खेल, राजनीति, भूगोल तथा धर्म ग्रंथ पर आधारित पांच राउंड चले। सभी चरणों में विद्यार्थियों ने अपनी समझ, तर्कशक्ति और तत्परता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का सफल आयोजन विंग हैड सुंदर सुहाग के दिशा-निदेशन में किया गया व प्रतियोगिता का संचालन जितेंद्र कुमार यादव द्वारा किया गया और निर्णायक मंडल में विज्ञान विषय के शिक्षक विकास और पुरूषोत्तम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्कोरिंग का कार्य संजीत ने किया। विजयी टीमों में टीम-4 ने प्रथम, टीम-1 ने द्वितीय व टीम-5 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता छात्रों की बौद्धिक क्षमता को निखारने में सहायक होती हैं। न केवल ज्ञान वर्धक होती हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को भी प्रोत्साहित करती है। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थी देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़े रहते हैं और समय के साथ अधिक जानकारी प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र सिंह, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव उपस्थित रहे।

देवयानी विद्यालय के बच्चों ने जेईई मेंस में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के बच्चों ने जेईई मेंस में परचम लहराया हैं। विद्यार्थी तनिष यादव पुत्र हनुमान सिंह ने 97.5 परसेंटाइल, ईशा चौधरी पुत्री राजेश 94, प्रियंका यादव पुत्र धर्मेंद्र कुमार ने 93, मुस्कान चौधरी पुत्र संदीप कुमार ने 92.75, विनीत पुत्र विक्रम यादव ने 92 परसेंटाइल लेकर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन कर बच्चों को सम्मानित किया। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवयानी स्कूल के बच्चों ने एनआईटी में सीट पक्की कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। कक्षा-कक्ष की इस अचीवमेंट से यह कहा जा सकता है कि मेहनत हमेशा रंग लाती है। लगातार के प्रयास से मंजिल मिल जाती है। इसके लिए हमें कहीं भी भटकने की जरूरत नहीं है। चेयरमैन सुनील कुमार ने शानदार प्रयास के लिए सभी अभिभावकों व अध्यापकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि अध्यापक के उचित मार्गदर्शन, बच्चों की मेहनत और अभिभावक के सहयोग की बराबर की हिस्सेदारी रहती है।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चिकित्सा शिविर 109 लोगों ने करवाई जांच

नारनौल। श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा की ओर से शनिवार शहर के मोहल्ला चौधरियान स्थित सभा प्रांगण में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर की अध्यक्षता गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट ने की। चिकित्सा शिविर का शुभारंभ भगवान परशुराम के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिविर में मेदांता अस्पताल गुरुग्राम से आए कुशल चिकित्सकों द्वारा मरीजों की अनेक प्रकार की जांच की गई। इस दौरान फिजिशियन डा. साहिब खान, कार्डियोलॉजिस्ट डा. विजय शर्मा व राजस्थान के चिड़ावा से आए नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. कमल कौशिक द्वारा सभी मरीजों की जांच की गई। चिकित्सा शिविर में कुल 109 मरीजों की जांच की गई। सभी मरीजों के बीपी सहित 42 मरीजों की ईसीजी, 98 मरीजों की बीएमडी, 57 की पीएफटी व 33 एक्स-रे निशुल्क करवाए गए। गौड़ सभा के पदाधिकारियों ने आने वाले लोगों के लिए फलाहार सहित अन्य सभी प्रकार की व्यवस्था की गई थी।

भीषण गर्मी में पक्षियों का जीवन बचाने के लिए सकोरा में रखा दाना-पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके। लगातार रिकार्ड तोड़ गर्मी के इस कोहराम से पशु पक्षी का जीवन खतरों से गुजर रहा है। नदी नालों का पानी सूखने के साथ ही दिन में गर्म हो जाता है जिसे पक्षी ग्रहण नहीं कर पाते है। योगेश कुमार नांगल चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए युवा साथी ग्रुप हरियाणा और उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की नांगल चौधरी ब्रांच की टीम ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला से बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी दाना-पानी का इंतजाम करने का अभियान शुरू कर दिया। यह अभियान घरों घर चलाया जा रहा है।

नारनौल। टीम के सदस्य बच्चों को सकोरे बांटते हुए।

यदुवंशी में हिंदी लेखन प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शनिवार की गतिविधियों के अंतर्गत हिंदी लेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि जागृत करना और उनके लेखन कौशल को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता को विंग हैड नवीन स्वामी के दिशा-निर्देशन में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ावा मिलता है। आज की इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल एक पुरस्कार जीतना नहीं, बल्कि लेखन के प्रति आपकी रूचि को और गहराई देना है। यह मंच आपको आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर देता है।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सौगात 12 करोड़ की लागत से तैयार होगा बहुउद्देश्यीय ऑडिटोरियम

नप नारनौल के प्रयासों से जल्द शुरू होगा निर्माण

- शहर को मिलेगा 500 की सीटिंग का आधुनिक ऑडिटोरियम, 12 करोड़ आएगी लागत, जल्द रखी जाएगी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। नगर परिषद नारनौल द्वारा एक बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम तैयार किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की आधारशिला इसी महीने के अंत तक रखी जाने की संभावना। यह ऑडिटोरियम नारनौल महेंद्रगढ़ रोड पर नसीबपुर में हाउसिंग बोर्ड के पास तकरीबन 8760 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया जाएगा। इसमें तकरीबन 500 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। आम जनता की सुविधा के लिए स्थान ऐसा चुना गया है जिसमें रेलवे स्टेशन से दूरी पांच किलोमीटर और बस स्टैंड से दूरी केवल 3.2 किलोमीटर है।

यह रहेगा सुविधा

इस बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम में दो मंजिले होगी। जिसमें विभिन्न प्रकार की सुविधा आम जनता को दी जाएगी। भू-तल पर एक मल्टीपरपज हॉल, स्टेज, वी आई पी रूम, ग्रीन रूम, प्रशासनिक कक्ष और विश्राम कक्ष जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही प्रथम तल पर स्टोर रूम, किचन, कैफेटेरिया और बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ एक खूबसूरत लाबी भी बनाई जाएगी। इसमें सोलर पैनल, क्यूबिकल टॉयलेट्स इत्यादि प्रोविजन रखा गया है। प्रथम तल के हाल में 300–500 लोगों के बैठने की व्यवस्था भी होगी।

पारदर्शिता के साथ किया जाएगा

इसमें पर्यावरण मानकों का ध्यान भी रखा गया है जिसमें बिल्डिंग के आस पास हरे भरे पार्क बनाए जाएंगे। इस बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम का लाभ आम जनता को मिलेगा और शहर के सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, अकादमिक सेमिनार, सम्मेलन इत्यादि सामूहिक रूप से आयोजित किए जा सकेंगे। ऑडिटोरियम का कार्य पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। इसे बनाने का कार्य किसी योग्य ठेकेदार को ही दिया जाएगा जो ठेकेदार निर्धारित मानकों को पर खरे उतरेंगे यह कार्य उनको ही दिया जाएगा। किसी भी तरह की पारदर्शिता से समझौता नहीं किया जाएगा।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

विशेषः पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से

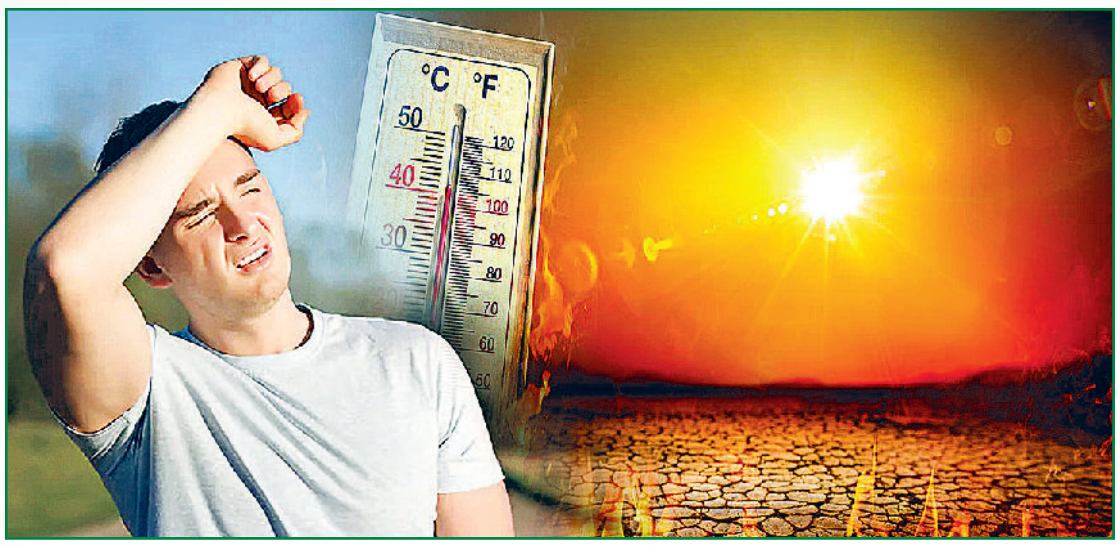

बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।

- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएंः पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाईः पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षणः श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदीः पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शनः इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिकः आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषितः देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

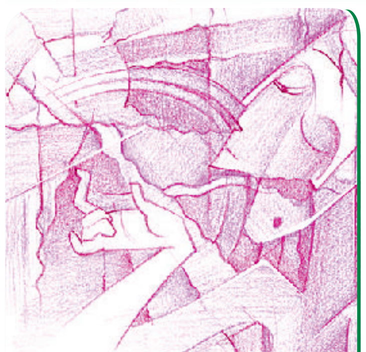

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी

फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

काका, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य से गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

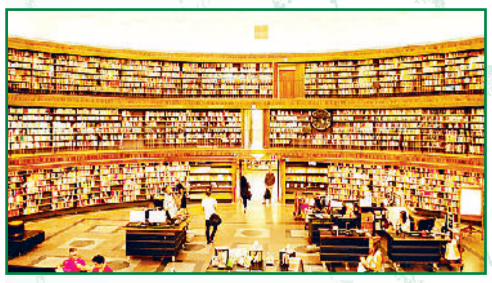

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल

डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा

अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

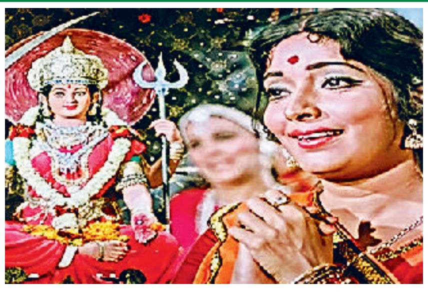

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

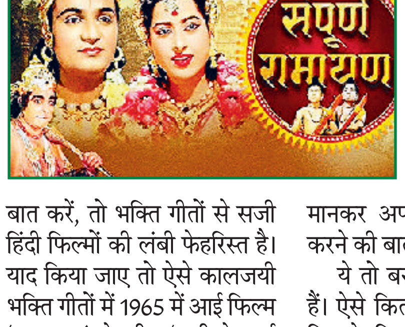

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *